समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

सुधा मूर्ति ने किया ऐतिहासिक बराबर गुफाओं का भ्रमण, प्राचीन शैलकृत स्थापत्य और अद्भुत इंजीनियरिंग की सराहना ; यूनेस्को विश्व धरोहर मे शामिल करने की अपील

RANJEET KUMAR

Published on 24 Aug 2026

बिहार के जहानाबाद जिले में स्थित ऐतिहासिक **बराबर गुफाओं** का महत्व एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया है। प्रख्यात लेखिका, समाजसेवी एवं राज्यसभा सांसद **सुधा मूर्ति** ने बराबर गुफाओं का भ्रमण कर यहां की प्राचीन शैलकृत स्थापत्य कला, निर्माण तकनीक और ऐतिहासिक महत्व का करीब से अवलोकन किया।

बराबर गुफाओं की विशाल चट्टानों को काटकर तैयार की गई अद्भुत संरचना, प्राचीन निर्माण तकनीक और गुफाओं के भीतर दिखाई देने वाली स्थापत्य विशेषताओं ने सुधा मूर्ति को विशेष रूप से प्रभावित किया।

अपर समाहर्ता ने किया स्वागत

सुधा मूर्ति के बराबर गुफाओं में आगमन पर **अपर समाहर्ता, विभागीय जांच विनय कुमार सिंह** ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

भ्रमण के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें बराबर गुफाओं से जुड़ी ऐतिहासिक एवं स्थापत्य विशेषताओं की जानकारी दी। सुधा मूर्ति ने गुफाओं के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन करते हुए प्राचीन निर्माण तकनीक को समझने में रुचि दिखाई।

विशाल चट्टानों को काटकर तैयार की गई अद्भुत गुफाएं

बराबर गुफाओं की सबसे खास विशेषता यहां की **रॉक-कट स्थापत्य कला** है। विशाल चट्टानों को काटकर गुफाओं का निर्माण किया गया है, जो प्राचीन भारत के शिल्प कौशल और तकनीकी क्षमता को दर्शाता है।

गुफाओं की दीवारों पर आज भी दिखाई देने वाली **दर्पण जैसी चमकदार पॉलिश** विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा गुफाओं के भीतर उत्पन्न होने वाला विशिष्ट ध्वनि एवं प्रतिध्वनि प्रभाव भी यहां की स्थापत्य योजना की विशेषता मानी जाती है।

सुधा मूर्ति ने इन विशेषताओं का अवलोकन करते हुए प्राचीन भारत की निर्माण क्षमता और वैज्ञानिक सोच की सराहना की।

“प्राचीन भारत की उन्नत इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण”

भ्रमण के दौरान सुधा मूर्ति ने बराबर गुफाओं को **प्राचीन भारत की उन्नत इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक सोच और अद्भुत शिल्प कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण** बताया।

उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पुरानी इस ऐतिहासिक विरासत की स्थापत्य विशेषताएं आज भी लोगों को आकर्षित करती हैं। इतनी प्राचीन संरचनाओं का आज भी अपनी मौलिक विशेषताओं के साथ मौजूद रहना भारतीय सभ्यता की तकनीकी और कलात्मक उपलब्धियों को दर्शाता है।

यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल करने की अपील

बराबर गुफाओं के ऐतिहासिक, पुरातात्विक और स्थापत्य महत्व से प्रभावित होकर सुधा मूर्ति ने इसे **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** में शामिल करने की दिशा में प्रयास किए जाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि यदि बराबर गुफाओं को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में स्थान मिलता है तो भारत की इस अमूल्य ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक स्तर पर व्यापक पहचान मिल सकती है। इससे देश और विदेश के पर्यटकों, इतिहासकारों एवं शोधकर्ताओं का ध्यान भी इस स्थल की ओर आकर्षित होगा।

बिहार की प्राचीन विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है बराबर

बराबर गुफाएं बिहार की प्राचीन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यहां मौजूद शैलकृत संरचनाएं प्राचीन काल की वास्तुकला और तकनीकी दक्षता की झलक प्रस्तुत करती हैं।

गुफाओं की दीवारों की चमकदार पॉलिश, प्राकृतिक चट्टानों में की गई अद्भुत कटिंग और ध्वनि-प्रतिध्वनि की विशेषता इसे अन्य ऐतिहासिक स्थलों से अलग पहचान देती है।

पर्यटन को बढ़ावा देने पर जिला प्रशासन का जोर

सुधा मूर्ति के दौरे के बाद जिला प्रशासन ने भी बराबर गुफाओं के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को व्यापक स्तर पर प्रचारित करने पर जोर दिया है।

प्रशासन ने **देश-दुनिया के गणमान्य व्यक्तियों, इतिहासकारों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, पर्यटकों और विरासत प्रेमियों** से बराबर गुफाओं का भ्रमण करने की अपील की है।

प्रशासन का उद्देश्य इस ऐतिहासिक धरोहर की पहचान को मजबूत करना और इसके सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है।

अधिकारियों की मौजूदगी

सुधा मूर्ति के बराबर गुफा भ्रमण के अवसर पर **अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी** सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने भी बराबर गुफाओं को बिहार के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों में शामिल करते हुए इसके संरक्षण, प्रचार-प्रसार और पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास जारी रखने की बात कही।

सुधा मूर्ति का बराबर गुफाओं का दौरा बिहार की इस प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा मे मंहत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

प्राचीन चट्टानों को काटकर निर्मित गुफाओं की अद्भुत स्थापत्य कला, चमकदार पॉलिश और वैज्ञानिक निर्माण तकनीक ने सुधा मूर्ति को प्रभावित किया। उन्होंने बराबर गुफाओं को **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल मे शामिल करने की अपील** करते हुए इसकी वैश्विक पहचान बढ़ाने पर जोर दिया।

बराबर गुफाएं केवल जहानाबाद या बिहार की धरोहर नहीं, बल्कि **प्राचीन भारत की स्थापत्य प्रतिभा, तकनीकी दक्षता और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रमाण** हैं। इनके संरक्षण और व्यापक प्रचार-प्रसार से बिहार में विरासत पर्यटन को भी नई

गति मिल सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/RANJEET KUMAR, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.